हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 7 जुलाई 2025

11 डॉ. श्यामा प्रसाद ने देश की एकता और अखण्डता के लिए काम किया...

12 अपराध पर नकेल कसेगा पुलिस का 'आईज एंड ईयरस प्रोग्राम'

शिवभक्तों में जबरदस्त उत्साह, फतेहाबाद से कावड़ लेने जाएंगी सैंकड़ों टोलियां

■ कांवड़ यात्रा को लेकर जिला पुलिस अलर्ट, कांवड़ियों के लिए अलग लेन निर्धारित, बनेंगे नाके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सावन मास 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। इसको लेकर अभी से शिवभक्तों में पूरा जोश नजर आ रहा है। फतेहाबाद जिले से युवाओं की सैंकड़ों टोलियां कावड़ लेने के लिए हरिद्वार जाने की तैयारियों में जुटी है। कावड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू होगी और 23 जुलाई को शिवरात्रि के दिन जलाभिषेक किया जाएगा। कांवड़ यात्रा को लेकर जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने यात्रा के दौरान कांवडियों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिले में संवेदनशील स्थानों, शिविर स्थलों और नाकों पर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की गई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। सभी मंदिरों की सूची तैयार की गई है। जहां महाशिवरात्रि के दिन कावड़ का जलाभिषेक करते समय पुलिस बलों की तैनाती रहेगी। बता दें कि इस दिन शहर के मंदिरों में पूरी भीड़ रहती है। शिवभक्त परिवार सहित मंदिरों में पहुंचते हैं। हरिद्वार से कावड़ लेकर आए कावडिय़ों व उनके परिजनों द्वारा विशेष रूप से शहर में शोभा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा जगह-जगह लंगर व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि यात्रा मार्गों पर कांवड़ियों के लिए अलग लेन निर्धारित की गई है और ट्रैफिक पुलिस को यातायात नियंत्रण के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। राइडर और पीसीआर वाहनों को भी गश्त तेज करने के आदेश दिए गए हैं। सभी थाना और चौकी प्रभारियों को चौबीसों घंटे क्षेत्र में सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य सामग्री की दरों को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई है। पुलिस ने होटल और ढाबा मालिकों को निर्देश दिए हैं कि वे दर सूची को साफ-साफ प्रदर्शित करें, जिससे किसी भी तरह के विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

फतेहाबाद। सावन माह को लेकर सजाया जा रहा श्री श्याम मंदिर व शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

यात्रा के दौरान इन चीजों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध

कांवड़ यात्रा में हथियार, एलपीजी सिलेंडर, नशीले पदार्थ और साइलेंस रहित बाइक पर पूर्णतः रोक है। साथ ही किसी को भी बस या ट्रेन की छत पर यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। एसपी सिद्धांत जैन ने अपील की कि कांवडियों को डाक कांवड़ के बजाय पारंपरिक पैदल यात्रा को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। इसके अलावा, दुकानदारों को 10 फीट से ऊंची कांवड़ न बेचने का निर्देश भी दिया गया है, जिससे बिजली की लाइनों से हादसे टाले जा सकें।

तेज अवाज में डीजे नहीं बजेगा, संदिग्ध की दें जानकारी

एसपी ने डीजे और तेज आवाज में संगीत बजाने पर भी रोक लगाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि डीजे से अन्य श्रद्धालुओं और आमजन को असुविधा होती है, इसलिए ध्वनि स्तर का पालन अनिवार्य है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या 112 नंबर पर सूचना दें। धार्मिक स्थलों और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

खबर संक्षेप

संदिग्ध हालातों में युवक की मौत

फतेहाबाद। शहर की हंस मार्किट स्थित एक घर में 23 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का समाचार है। युवक का शव घर में नग्न अवस्था में पड़ा मिला है और उसके हाथ में बल्ब था। इस बारे सूचना मिलते ही बस स्टैण्ड पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पतल भिजवा दिया है।

अवैध हथियार मामले में दूसरे आरोपी को दबोचा

रतिया। अवैध हथियारों की तस्करी और आपूर्ति करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रतिया पुलिस ने अवैध हथियार की आपूर्ति से जुड़े एक और आरोपी को अरोड़ा कॉलोनी, रतिया से गिरफ्तार किया है।

चातुर्मास को लेकर शहर में निकाली शोभायात्रा

टोहाना। शहर के मॉडल टाउन से फ्रेंड्स कालोनी स्थित जैन भवन तक महा साध्वी लीलावती महाराज के चातुर्मास को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके तहत भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साह से भाग लिया। इस शोभा यात्रा में टोहाना, जाखल, उकलाना, जींद, दिल्ली, मूनक, संगरूर, मनसा से जैन श्रावक पहुंचे।

शिविर में 30 मरीजों की हुई स्वास्थ्य जांच

भट्टूकलां। खंड के गांव किरढान में चिकित्सकों द्वारा शुगर व बीपी जांच हेतु एक शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर ब्लू क्रॉस कंपनी द्वारा लगाया गया, जिसमें मरीजों की बीपी व शुगर की निशुल्क जांच कर उन्हें फ्री दवाइयां दी गई। इस मौके पर चिकित्सक आत्माराम छिम्पा, महेंद्र सिंह, सुरेश श्योरान, अश्विनी आदि मौजूद रहे। इस मौके पर 30 मरीजों को दवाइयां वितरित की व जांच की गई।

हेरोइन तस्करी मामले में मुख्य सप्लायर काबू

फतेहाबाद। हेरोइन तस्करी के मामले में फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य सप्लायर को काबू कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान विकास उर्फ छोटा उर्फ नीनी पुत्र अशोक कुमार निवासी वाल्मीकि मोहल्ला, फतेहाबाद हाल निवासी किला मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई है। इसी मामले में पुलिस पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। थाना सिटी फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा अपराधियों की धरपकड़ के लिए नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही थी। इस दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए, जो पुलिस को देखकर अचानक बाइक मोड़ने लगे।

28 करोड़ होगा खर्च, मुख्यालय से प्रोजेक्ट को मंजूरी का इंतजार

नप में शामिल नई कालोनियों में सीवरेज लाइन डालने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी

आठ एजेंसी काम करने को तैयार, तीन साल पहले नगर परिषद में शामिल हुई थीं बाहरी कालोनियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर में शामिल हुई नई कॉलोनियों के बारे में राहत भरी खबर है। इसी साल पंचायत से शहर में शामिल हुई नई कॉलोनियों में सीवरेज पाइप लाइन डालने का काम शुरू हो सकता है। जनस्वास्थ्य विभाग ने वैध हुई कॉलोनियों में सीवरेज प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है।

विभाग की तरफ से पिछले माह टेंडर लगाया गया था, जो कि अब खोला गया है। वैध हुई कॉलोनियों में सीवरेज लाइन डालने के लिए आठ एजेंसियां काम करने को तैयार हैं। मुख्यालय से प्रोजेक्ट को मंजूरी का इंतजार है। मंजूरी के बाद वर्क ऑर्डर जारी होगा। ये प्रोजेक्ट करीब 28 करोड़ रुपये का है। इस प्रोजेक्ट से शहर की हंस कॉलोनी, स्वामी नगर, हरनाम सिंह कॉलोनी, आदर्श नगर, आजाद नगर क्षेत्र को सबसे ज्यादा फायदा होगा। इसके अलावा सरकार ने करीब दो साल पहले इन अवैध कालोनियों को वैध किया था। इसमें उक्त कॉलोनियां भी शामिल थी। इसके अतिरिक्त जो अवैध कॉलोनियां है, वहां भी विभाग सीवरेज लाइन बिछाएगा। इन पांच कॉलोनियों में ही करीब 8 हजार आबादी को फायदा होगा। बता दें कि इन कालोनियों में सीवरेज लाइन डालने और साफ-सफाई को लेकर अनेक बार कालोनीवासियों के साथ-साथ पार्षद तक धरना लगा चुके हैं। इतना ही नहीं, यहां सफाई व्यवस्था का भी बुरा हाल है। न इन कालोनियों में कर्मचारी जाते हैं और न ही कचरा उठाने के लिए गाड़ियां।

नगरपरिषद में प्रधान-उपप्रधान की ईगो-क्लेश के चलते इन कालोनियों के कचरे के ढेर लगे हुए हैं। इन दिनों मानसून चल रहा है। बरसात के समय तो इन कालोनियों से पैदल निकलना तक दूभर हो जाता है।

फतेहाबाद। स्वामी नगर में बदहाल सफाई व्यवस्था। फोटो :हरिभूमि

50 साल पुरानी लाइन पर चढ़ेगी प्लास्टिक परत

शहर के जवाहर चौक से लेकर पुराने डिस्पोजल टैंक तक जनस्वास्थ्य विभाग सीवरेज पाइप लाइन पर प्लास्टिक की परत चढाएगा। ये पाइप लाइन करीब 50 साल पुरानी है। इस प्रोजेक्ट पर करीब 14.88 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। अधिकारियों की माने तो इस प्रोजेक्ट को भी सीएम मंजूरी देंगे। पाइप लाइन पर 900 गुना 600 एमएम ब्रिक सीवर का निर्माण होगा।

कॉलोनियों में ही बनेंगे डिस्पोजल टैंक

अधिकारियों की माने संबंधित कॉलोनियों में ही डिस्पोजल टैंक बनेंगे। इन डिस्पोजल टैंक में सीवरेज पानी आएगी और इसके बाद इसे एसटीपी में भेजा जाएगा। इसके अलावा यहां इंटरसेप्टर पंपिंग स्टेशन (आईपीएस) का निर्माण भी शामिल है, जिसमें क्लेक्टिंग टैंक, पम्प चैम्बर, बाउंड्री वॉल, स्टाफ क्वार्टर, राइजिंग मेन लाइन, डीजी सैट, इलेक्ट्रिक ट्रांसफार्मर, पम्पिक मशीनरी, मैनहोल एवं अन्य आकस्मिक निर्माण कार्य होंगे।

मंजूरी के बाद प्रक्रिया होगी शुरू

शहर में वैध हुई कालोनियों में सीवरेज पाइप लाइन डलाने का काम जल्द शुरू हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट को लेकर 8 एजेंसियों ने टेंडर भरा है। मुख्यालय से मंजूरी के बाद वर्क ऑर्डर की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

-सतपाल रोज, एसडीओ, जनस्वास्थ्य विभाग फतेहाबाद

धान रोपाई के लिए आए बिहारी मजदूर की हत्या

■ पुलिस ने चार आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर के साथ लगते गांव बीघड़ में धान रोपाई के लिए आए बिहारी मजदूर के सिर में डंडे से हमला कर उसकी हत्या करने के मामले का फतेहाबाद पुलिस ने 24 घंटे में ही खुलासा करते हुए चार आरोपियों को काबू कर लिया है। पकड़े गए युवकों से पूछताछ के बाद नियमानुसार गिरफ्तारी की जाएगी। काबू किए गए आरोपियों की पहचान अजय कुमार उर्फ अज्जू पुत्र रमेश कुमार, राहुल उर्फ पैंचर पुत्र श्रीराम, रोशन पुत्र भीमराज और सुरेंद्र उर्फ खेतिया पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी बीघड़ के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना सदर फतेहाबाद में 5 जुलाई को मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया था।थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि रोहित राय पुत्र चमारू राय, निवासी जिला कटिहार, बिहार ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वे और उनके रिश्तेदार हर वर्ष धान की रोपाई के लिए गांव किरढाण आते हैं और खेत के पास बने एक अस्थायी कमरे में रहते हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, 4 जुलाई की रात लगभग 9:15 बजे, जब वह अपने चाचा राजकुमार राय के साथ खेत से लौट रहा था, तो देखा कि चार युवक शराब के नशे में उनकी चारपाइयों पर लेटे हुए थे। चारपाई खाली करने पर विवाद हुआ, जो जल्द ही हिंसक झगड़े में बदल गया।

मोटरसाइकिल सवार युवक हेरोइन सहित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने बेगू रोड क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान बेगू रोड स्थित शाह सतनाम चौक क्षेत्र में मौजूद थी।

इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे रोका और तलाशी ली तो उसके कब्जे से 6 ग्राम 19 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान रवि निवासी सिरसा के रूप में हुई है। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत थाना शहर सिरसा मे अभियोग दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि पूछताछ के माध्यम से हेरोइन तस्करी के पीछे सक्रिय नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। रिमांड अवधि के दौरान अन्य संभावित आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय जेल में दो विचाराधीन बंदियों को किया गया सजा मुक्त

फतेहाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री ने केंद्रीय जेल -2 हिसार में जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जेल लोक अदालत में पांच मामले विचाराधीन रखे गए इनमें से तीन मुकदमों को अंडरगोन किया गया। अगर विचाराधीन बंदी पर और कोई मुकदमा न हो तो बंदियों को रिहा करने का आदेश पारित किया गया। उन्होंने बताया कि जेल लोक अदालत महीने में दो बार लगाई जाती है। उन्होंने केंद्रीय जेल 2 हिसार का निरीक्षण भी किया।

सिरसा: डाक्टर से लाखों रुपये की ठगी मामले में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

■ पैसो का लालच देकर की 6 .23 लाख की ठगी

शहर के एक डाक्टर से छह लाख 23 हजार रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में स्थानीय पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना प्रभारी ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान नीरज व राकेश कुमार निवासी कपूरथला पंजाब के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सिरसा के सूरतगढिय़ा बाजार स्थित हिमाचल नर्सिंग होम के संचालक डा. सुरजीत सिंह ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया गया कि उन्होंने एक फेसबुक पेज पर विज्ञापन देखा जिसमें कम राशि जमा करने पर करोड़ों रुपये की पेंशन दिलाने का दावा किया गया था।

डोडा पोस्त के मुख्य सप्लायर को भट्टूकलां पुलिस ने राजस्थान से किया गिरफ्तार

भट्टूकलां। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भट्टूकलां पुलिस ने व्यावसायिक मात्रा में बरामद हुए डोडा पोस्त के मामले में फरार चल रहे मुख्य सप्लायर को राजस्थान से काबू कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान देवेंद्र कुमार उर्फ जितेंद्र कुमार उर्फ जीतू पुत्र सुदेश कुमार, निवासी गांव लांबा, जिला झुंझुनूं के रूप में हुई है। इस मामले में इससे पहले मोहन लाल पुत्र रूपराम, निवासी कालवास, जिला चुरू को मौके से गिरफ्तार किया गया था, और तस्करी में प्रयुक्त बोलेरो कैंपर वाहन को भी पुलिस ने कब्जे में लिया था। भट्टू थाना प्रभारी उपनिरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि एसआई महावीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त व चेकिंग पर थी, तभी सूचना मिली कि एक संदिग्ध वाहन में डोडा पोस्त की तस्करी की जा रही है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए गांव रामसरा में भादरा रोड के पास नाकाबंदी की गई। कुछ देर बाद भादरा दिशा से आती बोलेरो कैंपर को रोकने का प्रयास किया गया, तो चालक ने वाहन छोड़कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे वाहन सहित काबू कर लिया।

पुलिस ने जिलेभर में चलाया 'श्रमदान अभियान'

पुलिस कर्मचारियों ने थानों और चौकियों में की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा प्रत्येक रविवार को 'श्रमदान दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थाने, पुलिस चौकियों तथा क्राइम इकाइयों में सफाई, रंग-रोगन, सौंदर्यकरण एवं मरम्मत कार्यों को निरंतर रूप से अंजाम दिया जा रहा है। इस नवाचार के परिणामस्वरूप पुलिस परिसर अब अधिक स्वच्छ, व्यवस्थित और आमजन के लिए स्वागतयोग्य हो गए हैं। न केवल भवनों की दशा में सुधार हुआ है, बल्कि पुलिसकर्मियों के कार्यस्थलों का माहौल भी अधिक सकारात्मक एवं प्रेरणादायक बना है। इस अभियान के अंतर्गत फतेहाबाद पुलिस न केवल स्वयं श्रमदान कर रही है, बल्कि आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार को भी प्राथमिकता दे रही है। पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में पुलिसकर्मी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहे हैं और जरूरतमंदों के लिए रक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि स्वच्छता और अनुशासन केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं होने चाहिए, ये हमारे व्यवहार और सोच का भी अभिन्न हिस्सा होने चाहिए। जब हम स्वयं श्रम करते हैं, तो समाज में भी एक सकारात्मक संदेश जाता है। पुलिस का यह अभिनव प्रयास, पुलिस एवं जनसामान्य के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है।

फतेहाबाद। थानों में सफाई अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी।

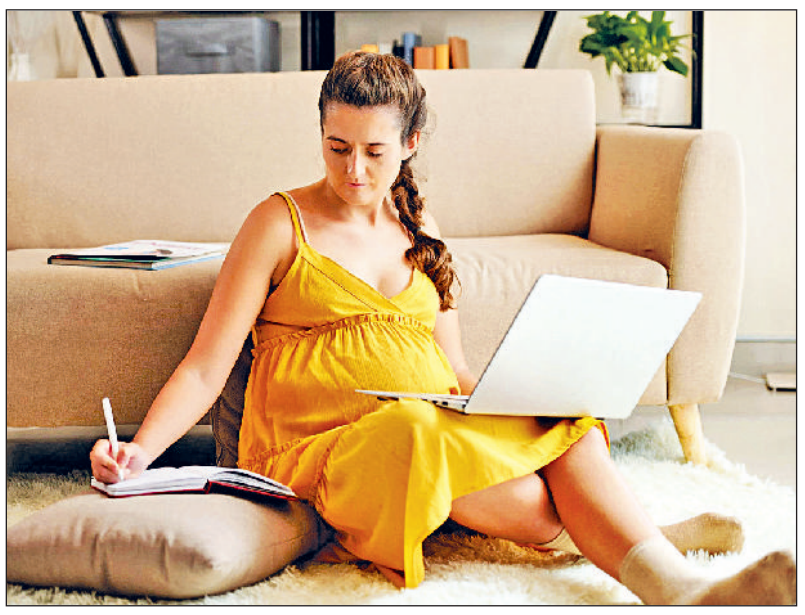

गतांक से आगे...
अभी तक आपने पढ़ा कि नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी।
अब आगे...

नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है।

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

अ दीप्ति ससुराल जाती ट्रेन में बैठी हज़ारों बातें सोचती है, मेरा भी उतना ही अधिकार है पापा की संपत्ति पर, जितना दोनों भाइयों का है लेकिन अम्मा दो-पांच हज़ार की विदाई देते कैसा मुँह बनाती हैं ! भाभियों की कौन कहे, वे पराए घर से आई हैं, जब जन्म देने वाली माँ ही पराया मानती है।"

सोचती जाती है और आँसू बहते जाते हैं। पति ने टोका, "ट्रेन में मत रोओ। सब देख रहे हैं। अच्छा, बताओ, विदाई कितने की मिली है ?"

शादी को एक साल हो चला। इस बीच एक बड़ा झगड़ा हुआ। सास वेणी एक शादी-समारोह में गई थी जहाँ बहू की बड़ी भाभी सुरेखा से भेंट हो गई। बातों-बातों में वेणी बोली,

"कानों में तो बड़े सुंदर झाले पहने हैं सुरेखा तुमने! पुराना सोना जान पड़ता है।"

"हाँ ! ये मेरी मम्मी ने दिए थे।"

"बहुओं से भर-भर के दहेज लिया और बेटी को देते अंटी न खुली !"

"ऐसा क्यों कहती हैं आंटी जी ? क्या कमी रखी है हमने? क्या नहीं दिया जो अब तक माँगती हैं ?"

सुरेखा की बात सुन वेणी तिलमिला उठी।

"हम ही क्यों बनवाएं उसके लिए जब मायके वाले इतना भी न दे सके ? अपनी बेटियों को मैंने दो-दो जोड़ी बुंदे, झुमकियाँ बनवा कर दी थीं !"

"क्या बात करती हैं? तोला भर सोने की झुमकियाँ बनवा कर दी थीं हमने विदाई में। दीप्ति दीदी ने बताया नहीं आपको ?"

"तोले भर सोने की झुमकियाँ ?"

सास के गुस्से का कोई पारा न रहा। घर आकर इतनी ऊँची आवाज में कलह किया कि पड़ोसी अपने-अपने फ्लैट्स के दरवाज़े खोलकर बाहर आ गए। ससुर रोकते जाते थे, बेटा रोकता जाता था लेकिन सास की आवाज़ आसमान तक बुलन्ध थी। लेकिन बहू एक चुप, हजार चुप !

'योगेश, अब या तो तेरी बहू उन तोले भर सोने की झुमकियों का हिसाब दे या निकल जाए इस घर से !"

"बताती क्यों नहीं, कहाँ हैं झुमकियाँ?" जब पति ही मारने को आगे बढ़ा तो दीप्ति ने मरी-मरी सी आवाज में कहा,

"खो गईं।"

"खो गईं ? तोले भर सोने की झुमकियाँ खो गईं? कैसे खो गईं ? क्या अपने पापा को दे आईं?"

योगेश मारता उसे अगर बीच में ससुर न आ गए होते। सास का गुस्सा महीनों शांत न हुआ। ननदें फोन करतीं तो वो बहू को सुना-सुना कर हज़ार बातें सुना देती उसके मायके वालों को।

दीप्ति से खूब काम लिया जाता। घर के कामों से फारिग होती तो बाहर के कामों की सूची तैयार रहती। जब से शादी हुई, घर में योगेश ने इधर की सींक उठाकर उधर न रखी थी। दीप्ति ही बाजार, सौदा-सुलफ सब करती। कभी पलंबर को बुलाती, कभी कबाड़ी को रद्दी तुलाती।

लेकिन इस सब के बीच, उसके मन में पढ़ाई की लगन लगी रहती। सास वेणी देखती और कुढ़ती। एक रात सास की नींद खुली तो देखा ड्राइंग रूम की बत्ती जल रही है। रात के ग्यारह बजे थे। बहू हॉल में दीवान पर बैठी कुछ लिख रही थी।

"अरे ! अब तक जागती हो ? सवेरे फिर योगेश का टिफिन बनाने में आलस करोगी। जाओ सो जाओ।"

"नहीं। मैं बना दूँगी सब समय पर।"

"लाइट बंद करो और जाओ। इधर की बत्ती जलती है तो मुझे अपने कमरे में नींद नहीं आती।"

"लेकिन, मैं तो हमेशा यहीं पढ़ती हूँ; अभी तक तो आपने कभी नहीं कहा ऐसा !"

"तो अब कह रही हूँ, ये बत्ती न जलाया करो।"

"तो रात को मैं कहाँ पढ़ूँ ? कमरे में टेबल लैम्प से भी इनकी नींद में खलल पड़ता है।"

बहू अपने आप से कहती चली गई और रसोई में बत्ती जलाकर फिर लिखने लगी। उस दिन से दीप्ति ने हॉल या रसोई में पढ़ना बंद कर दिया। फ्लैट में हॉल के अलावा दो ही तो कमरे थे। अब कहाँ पढ़े ? वो रात को बाथरूम में बैठकर नोट्स बनाती; और दिन में किताब खोले घर के कामकाज के बीच कुछ-कुछ याद करती रहती। कभी कलाई पर, कभी हथेली पर, कुछ उतार लेती और मन में दोहराया करती। बी.एड. के साथ-ही-साथ वो शिक्षक पात्रता परीक्षा की भी तैयारी कर रही है। सोचती, बी.एड. कर लेगी और अगले ही साल शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर लेगी तो सरकारी शिक्षक की नौकरी करने के योग्य हो जाएगी। छह महीने बाद,तीसरे सेमिस्टर की परीक्षा का रिजल्ट आया जिसमें दीप्ति ने अपने कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गर्भवती हो गई थी तो भी स्कूटी चलाकर कॉलेज जाती रहती। गर्भावस्था के पूरे दिन चल रहे हैं; और बी.एड. अंतिम वर्ष के फाइनल सेमिस्टर की परीक्षाएं भी। हर दिन मनाती है, बस परीक्षा पूरी हो जाए तब डिलीवरी हो ! लेकिन ...जो भाग्य बदलने निकलते हैं, उन्हें सबसे पहले अपनेआप से लड़ना पड़ता है !

रात से हल्का-हल्का दर्द हो रहा था लेकिन वो सब कामकाज करती रही और साथ में किताब भी खोले रही। कल तीन बजे उसका आखिरी पर्चा है। लेकिन सुबह होते-न-होते दर्द की लहर काबू से बाहर हो गई। सास के साथ ऑटो से वो सरकारी अस्पताल पहुंची और आधे ही घंटे में उसकी डिलीवरी हो गई।

आगे एक घंटा तो दिमाग कुछ न जानता था। तंद्रा-सी थी। बस अपनी बेटी को सीने से चिपटाए आँखें बंद किए पड़ी रही। घंटे भर बाद, उसकी आँखें आधी खुलीं। सामने दीवार घड़ी दोपहर के बारह बजा रही है।

"मेरा पेपर है तीन बजे !"

"अब काये का पेपर ? अब इस लड़की को सम्हालो ! मैं घर जा रही हूँ; गुड़ बनाकर लाती हूँ। घर का खाना भी बनाना है। रात तक आ जाऊँगी या योगेश आ जाएगा सोने यहाँ। कल अपने मायके से बुला लो किसी को। अकेले मुझसे नहीं करते बनेगा सब।"और सास फोन लगाती हुई बाहर निकल गई।

"हाँ चंचल ! तुम बुआ बन गयीं! और क्या होना था! मैं तो पहले ही कहती थी, लड़की ही जनेगी!"

जाती हुई सास की बात दीप्ति के कानों में पड़ती है। वो सुनी-अनसुनी कर देती है। पति योगेश को किसी ने बताया है अथवा नहीं, दीप्ति को नहीं पता। उसने बेटी को निहारा, फिर घड़ी देखी।

-परीक्षा देनी है !

प्रसूता पुकारती है, "कोई है?"

कोई नहीं सुनता। उसने फिर अपनी ताकत जुटाकर पुकारा है, "कोई मदद कर दो !"

भाग्य द्वार तक आया, लेकिन भीतर नहीं। एक नर्स झाँककर पूछती है, "क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई नहीं? क्या कुछ खाने को चाहिए?"

"मेरा बी.एड. का पेपर है तीन बजे से। क्या गाड़ी मिल जायेगी एग्जाम सेंटर तक जाने के लिए ?"

नर्स अवाक उसे देखती रह गई। हज़ारों जचगी इस अस्पताल में देखीं-करवाईं, ऐसी जनानी नहीं देखी !

वो निवेदन दोहराती है; नर्स क्या कहे !

"मैडम से पूछकर बताती हूँ।"

और नर्स डॉक्टर के सामने है।

"बिल्कुल नहीं! अभी घंटे भर पहले ही डिलेवरी हुई है। अब 24 घंटे तो बिस्तर से उठने की अनुमति नहीं दे सकते !"

नई डॉक्टर अपने कागज़ों में उलझी, उत्तर देकर इस बात को भूल जाती लेकिन ... कोई है जो लड़ रहा है भाग्य से ! ... भाग्य विधाता से !

"मैडम जी प्लीज !" सामने एक अधमरी-सी आवाज़ है।

डॉक्टर नज़र उठाकर देखती है।

"मेरा पेपर है बी.एड. का। फिर नहीं कर पाऊँगी। न फिर फीस भर पाऊँगी। प्लीज मुझे एग्जाम सेंटर तक पहुँचा दीजिए।"

दरवाज़े से टिकी सद्य प्रसूता अपनी नवजात को लिए किसी तरह खड़ी है। या तो वो खुद ही गिर जाने वाली है या उसकी गोद से नवजात खिसकी जाती है।

उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टर चिल्लाती है, "तुम पागल हो क्या!"

जच्चा-बच्चा को वापस बेड तक पहुँचाया गया। बड़े डॉक्टर साहब से बात की गई। गाड़ी तो अस्पताल में कोई मौजूद थी नहीं। एक गाड़ी बाहर गई हुई है। समय रहते लौट आई तो कुछ हो सकता है। नई डॉक्टर मदद के लिए दूसरे अस्पताल फोन लगा रही है। गाड़ी की व्यवस्था होते-होते दो घंटे निकल गए। अस्पताल से एग्जाम सेंटर 35 किलोमीटर दूर है। गाड़ी में जच्चा-बच्चा को लिटाया गया और नर्स क्योंकि वैसे ही स्टाफ में कम हैं, वर्क लोड बहुत ज़्यादा। एक सफाईकर्मी दीदी को साथ कर दिया गया।

वे चलीं तो नई डॉक्टर पीछे से देखती, अपने मित्र ट्रेनी डॉक्टर को फोन करती कहती है, "अभी पता है क्या हुआ ?"

... किसी की मदद कर, वो इस पल अपनी ही नज़रों में हीरो है !

एग्जाम सेंटर तक वे पहुँची हैं और सहायिका दीदी को नवजात दे, किसी तरह दीप्ति एग्जाम सेंटर के अंदर तक पहुँचती है। परीक्षा चालू हो चुकी है। सैकड़ों परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। उसे देख चलते पेन रुक-रुक जा रहे हैं।

"सर! मैडम ! मेरे पास प्रवेश पत्र नहीं है लेकिन मुझे अपना रोल नंबर याद है। और आप तो मेरे पिछले पेपर में भी ड्यूटी पर थीं। प्लीज मुझे पेपर देने दीजिए। क्या मैं बहुत लेट हो गई हूँ ?"

वो पन्द्रह मिनट लेट हो चुकी है लेकिन उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया गया। उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र दिया गया। वो खड़े-खड़े ही किसी तरह उत्तर पुस्तिका पर लिखना शुरू करती है।

"बैठ कर लिख लो।" परीक्षक मैडम उससे कहती हैं।

"बैठ नहीं पाऊँगी। चार घंटे पहले डिलीवरी हुई है।"

"तो क्यों आईं परीक्षा देने ऐसे हाल में ? अपनी और इसकी जान को खतरे में डाल कर ?"

"जेवर बेचकर फीस भरी थी; छूट जाती पढ़ाई तो फिर नहीं कर पाती।"

परीक्षक उसे दो पल को देखती रहीं फिर केंद्र अध्यक्ष के कक्ष की ओर तेज़ कदमों से चली गईं। केंद्र अध्यक्ष ने सुना तो सन्नाटे में आ गए। कोई नरम बिस्तर या आरामदायक खटिया तो नहीं थी लेकिन एक तख्त का इंतजाम कर दिया गया, एक खाली पड़े कक्ष में।

आधे घंटे बाद, अपनी उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, सहायिका और नवजात के साथ सद्य प्रसूता को उस कक्ष में तख्त तक पहुंचा दिया गया।

कोई तकिया नहीं। एक परीक्षक ने अपना पर्स दे दिया है जिसे सिरहाने लगाए, सद्य प्रसूता उत्तर पुस्तिका लिखने में लीन है। बीच-बीच में एग्जाम सेंटर के अन्य परीक्षक आ–आकर उसे देख जा रहे हैं। चार घंटे की डिलीवरी में एक परीक्षार्थी पेपर देने आई है !

बीच में, नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम-अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है। (समाप्त)

लघुकथा

विकास यशकीर्ति

पांचवां बेटा

दौलत राम। तुम्हारे चार चार बेटे होते हुए भी आज ये नौबत आ गई कि तुम्हें अपना पुश्तैनी मकान गिरवी रखना पड़ रहा है।' सेठ हजारी प्रसाद दौलत राम के सामने प्रेनोट रखते हुए बोला। 'और सुना है - परदेस में अच्छा कमा रहे हैं।' चश्मे को नाक की नोंक पर रखकर हज़ारी प्रसाद ने दौलत राम को नंगी आंखों से घूरते हुए अपना व्यंग्य बाण चलाया।

'क्या करें, सेठ जी। सब के अपने अपने खर्चे हैं, अपनी अपनी जिम्मेवारियां हैं।' जग हंसाई से बचने के लिए अपने नालायक बेटों की छोटी-मोटी वकालत दौलतराम खुद ही कर लिया करता था। दौलत राम ने प्रनोट पर साइन करने के लिए जैसे ही पेन उठाया, उसके फोन पर एक मैसेज चमका ' रुपे फाइव लैक्स इन यूअर अकाउंट' दौलत राम फ़ोन में आए इस मैसेज की गहराई को परत दर परत खोलने लगा। तभी एक टेक्स्ट मैसेज और फ्लैश हुआ।

' क्या सिर्फ कहने के लिए बेटा कहते थे, पापा ?'

इस बार दौलतराम ने देखा, मैसेज नेहा बिटिया का था जिसके दो साल पहले उसने हाथ पीले कर दिए थे। दौलतराम हैरानी के साथ फोन को निःशब्द होकर देखता रहा। 'किसका मैसेज है दौलत राम ?' हजारी प्रसाद ने दौलत राम की तंद्रा भंग की। दौलत राम की आंखों में नमी थी। 'कौन है ? ' सेठ फिर चिल्लाया। 'पांचवा बेटा' सिर्फ ये दो शब्द बोलकर दौलतराम कांपता हुआ उठा और प्रनोट वापस हजारीप्रसाद को देकर आंखे पौंछता हुआ बाहर चला गया।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

ज़माने की कशमकश

मुझे लगता है ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ
इस कशमकश में कल कोई और था
आने वाले कल में कोई और होगा
ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ

जो दिखता है ख़ुश ज़िंदगी में
क्या पता, वो भी परेशान हो ज़िंदगी में
मुझे मेरे ही ग़म लगते हैं ज़्यादा
क्या पता, नहीं दिख रहे
उसके ग़म हो मुझसे भी ज़्यादा

दर-ब-दर भटकता रहा मैं
हर एक कदम पे ख़ुद से लड़ता रहा मैं
एक नई उम्मीद की तलाश में
अपनों से दूर चला गया मैं
ज़माने की इस काशमकश में

जीवन है ही संघर्षों का मेला
सब लगे हैं ज़िंदगी की कशमकश में
आज मैं हूँ, कल तुम
फिर कोई और होगा
ज़माने की इस कशमकश में
मुझे लगता है मैं अकेला तो नहीं हूँ
ज़माने की इस कशमकश में

कविता

प्रज्ञा गांधी

वो लड़की

परियों जैसी है वो लड़की
भोली और शैतान बड़ी
समझदार भी है कितनी
और कितनी नादान भी
उसकी आंखें देखी मैंने
आंखों से बातें करती है
कितनी प्यारी लगती है
जब हिरण सी चलती है
सुनहरी जुल्फें हैं उसकी
प्यारी प्यारी बातें हैं उसकी
कितनी मासूम है वो
और हजारों उसकी शरारतें हैं
छोटी छोटी बातों पर भी
वो खुश हो जाती है
छोटी छोटी बातों पर ही
आंसू भी वो भरती है
पर, सपने हैं उसके बड़े
आसमां में उड़ना चाहती है
स्वाभिमान के लिए
आत्मसम्मान के लिए
और कुछ कर गुजर जाने के लिए
जिद बड़ी है उसकी
बाती बनकर जलने की
रोशनी फैलाने की
परियों जैसी वो लड़की
भोली और शैतान भी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक नीरु मित्तल का मानना है कि आज के आधुनिक युग में भी साहित्य गतिशील है और गद्य हो या पद्य, दोनों विधाओं में ही नवीन शैलियों का विकास हो रहा है। लघुकथा, लघुकविता, नवगीत जैसी विधाएं अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं। छायावाद से आगे हम प्रयोगवाद पर आ गए हैं। साहित्य पर सामाजिक, राजनीतिक चेतनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और समाज एक-दूसरे के बिना अधूरे: डॉ. नीरू मित्तल

सा हित्य के क्षेत्र में कविता, गजल, कहानी, व्यंग्य, लघुकथा, लेख निबंध, समीक्षा जैसी विधाओं का मानवीय एवं सामाजिक सरोकार के लिए काफी महत्व है। इन्हीं मूल्यों को लेकर साहित्यकार एवं लेखक साहित्य सृजन करने में जुटे हैं, जिसमें लेखकों का मकसद समाज को नई दिशा और सकारात्मक विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं जुड़े रहने का संदेश देना है। लेखिका एवं साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल अपनी ऐसी ही लेखन विधाओं के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य साधना करती आ रही हैं। अपने साहित्यिक सफर को लेकर डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज और साहित्य एक दूसरे के बिना जीवंत नहीं रह सकते।

वरिष्ठ महिला साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल का जन्म 26 जून 1958 को अजमेर (राजस्थान) में हरिश चन्द्र गुप्ता और दम्यंती देवी गुप्ता के घर में हुआ। परिवार में कोई भी साहित्य माहौल नहीं था लेकिन उन्हें बचपन में ही तुकबंदियां करते हुए कुछ न कुछ लिखने में अभिरुचि हुई। स्कूल में भी वे कविताएं सुनाती और उनकी लिखी कविताएं स्कूल और कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने लगी, तो उनके पिताजी ने बहुत प्रोत्साहित करना शुरु कर दिया। उनके लेखन की शुरुआत कविताओं से हुई, लेकिन वह जल्द ही कहानियां भी लिखने लगी। जब वह कॉलेज में पढ़ रही थी, तो उनकी रचनाएं आकाशवाणी पर प्रसारित होने लगी और पिता अजमेर से रिकार्डिंग के लिए आकाशवाणी केंद्र जयपुर ले जाते थे। बकौल डॉ. नीरू मित्तल, साल 1981 में उनकी जयपुर में बैंक ऑफ बडौदा में नौकरी लग गई। इसके बाद साल 1984 में उनका विवाह हरियाणा के पंचकूला में हुआ। इस वजह से उन्होंने अपना स्थानांतरण पंचकूला की बैंक शाखा में करा लिया और यहीं से वह सेवानिवृत्त हुई। हालांकि शादी के बाद वह अपनी बैंकिंग की नौकरी, परिवार और बच्चों में अत्यधिक व्यस्त हो गई और लेखन बहुत सीमित रह गया। लेकिन इस दौरान भी वह नराकास के कार्यक्रमों में भाग लेती रही और पुरस्कार जीतती रही। बच्चे जब कॉलेज में चले गए और उन्हें कुछ समय मिलने लगा तो साहित्य के प्रति लगाव पुनः जागृत हो गया और उन्होंने हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य सृजन को नई दिशा दी। उनकी रचनाओं का फोकस मुख्य रूप से समाज में व्याप्त विडंबनाओं, कुंठाओं बेबसी, आक्रोश, अनेक विषमताएं और लोगों की जिजीविषा जैसे सामाजिक सरोकार के मुद्दे और समस्याओं पर रहा है, इन्हीं पर उनकी कलम सक्रिय रही, जिसमें नारी विमर्श भी उनके लेखन में स्वतः ही झांकने लगा। बकौल नीरु मित्तल, साहित्य के अलावा उन्हें गायन और नृत्य का भी शौक रहा है। वह अपने हम उम्र साथियों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ भी करती हैं। जहां वे कहानी, लघुकथा, लेख निबंध, कविता, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण, समीक्षा और साक्षात्कार ज जैसी विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटी हैं, वहीं वह योगा शिक्षिका भी रही और सामाजिक गतिविधियों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी किये हैं।

उन्हें देश के वरिष्ठ साहित्यकारों व रचनाकारों का सानिध्य मिला है। उनकी रचनाएं देश ही नहीं विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं। चंडीगढ़ दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र जयपुर से समय-समय पर उनकी कविताओं व रचनाओं का प्रसारण तो हो ही रहा है, वहीं रेडियो 'अपना विनीपेग' कनाडा और 'जस टीवी' कनाडा पर भी उनके साहित्यिक काव्य पाठ कार्यक्रम और साक्षात्कार प्रस्तुत हुए हैं। कई विदेशी मंचों जैसे 'रूट्स टू हिंदी काव्यांजलि' शिकागो, 'निर्मल रोशन मंच' न्यूयॉर्क, 'महिला काव्य मंच' इंडोनेशिया पर भी वे अपनी कविताएं प्रस्तुत कर चुकी हैं। यहाँ वह यह बात अवश्य कहना चाहती हैं कि विदेश में बैठे भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने देश से कहीं गहराई से जुड़े हुए हैं। वह उनकी निष्ठा और समर्पण को नमन करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. नीरू मित्तल की प्रकाशित पुस्तकों में काव्य संग्रह-अनकहे शब्द, शब्दों की परछाइयाँ, चट्टान पर खिले फूल, पंचतत्त्व और मैं, कहानी संग्रह-रिश्तों की डोर, कोहरे से झाँकती धूप, लघुकथा संग्रह-तिनका तिनका मन, प्रतिबिम्बों की अनंत यात्रा, बाल साहित्य-मेरे वर्णमाला गीत, छू लो आसमान प्रमुख रूप से पाठकों के सामने हैं। उन्होंने खुशियाँ लौटेंगी, सुनहरी यादों के झरोखों से नामक पुस्तकों का संपादन भी किया। वहीं पंजाबी रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया है।

डॉ. नीरू मित्तल

पुरस्कार व सम्मान

लेखिका डॉ. नीरू मित्तल को हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान, बाल सहित्य सम्मान, डॉ कैलाश अहलूवालिया स्मृति सम्मान पुरस्कार, डॉ. श्यामसुंदर व्यास स्मृति सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, स्मृति साहित्य सम्मान, संस्कृति संवाहक पुरस्कार, शब्द निष्ठा सम्मान, लघुकथा सेवी सम्मान, साहित्य सारथी सम्मान और मां भारती साहित्य के सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'
जन्मतिथि : 26 जून 1958
जन्म स्थान : अजमेर(राजस्थान)
वर्तमान निवास : पंचकूला (हरियाणा)
शिक्षा : एम. कॉम, सी.ए.आई.आई.बी
संप्रति : बैंकिंग सेवा से निवृत, साहित्यकार, कथाकार, कवयित्री, योग शिक्षिका

सामाजिक उपयोगिता का कविता संग्रह 'मैं पेड़ हूँ'

पुस्तक : मैं पेड़ हूं
लेखिका : अर्चना कोचर
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक, नोएडा

पुस्तक समीक्षा

डॉ. ज्ञानप्रकाश 'पीयूष'

सा हित्य लेखन एवं समाज सेवा में संलग्न, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित साहित्यकार अर्चना कोचर किसी परिचय की मोहताज नहीं।

' मैं पेड़ हूँ' लघुकविता-संग्रह इनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक है, जो भाव सौंदर्य एवं शिल्प सौष्ठव की दृष्टि से बहुत प्रभावशाली है। यह पुस्तक विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को आधार बनाकर दस-दस पंक्तियों के मुक्त छंद में सृजित की गई हैं तथा उनके औषधीय गुणों, सामाजिक उपयोगिता एवं पौराणिक उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए प्रांजल भाषा में व्यंजित की गई हैं। रुद्राक्ष, पीपल,कदम्ब, अशोक बरगद, अक्षय वट के साथ चंदन, देवदार, चीड़,नीम, सागवान,पलाश, अमलतास गुलमोहर, शीशम, सफेदा, बबूल, आदि छायादार एवं सहजता से उपलब्ध पेड़ों के महत्व को भी प्रतिपादित किया गया है तथा आँवला, आम अनार,अमरुद, सेब,जामुन, नारियल, अंजीर,सुपारी, जायफल, नींबू, केला, बादाम, अखरोट, काजू ,खुबानी, पिस्ता, चिलगोजा, आलू बुखारा, आदि फलदार वृक्षों पर भी सारगर्भित लघुकविताओं का सृजन किया गया है जो अत्यंत श्लाघनीय है। ये कवयित्री के अद्भुत रचना कौशल, साहस, परिश्रम एवं जुनून को प्रतिपादित करता है। इनके अतिरिक्त मखाना, पान बनारस वाला, आल स्पाइस,केसर, तुलसी,आक, शमी, सप्तपर्णी, लता मंजरी जैसे अनेक पेड़-पौधों को भी कलमबद्ध किया गया है जो कवयित्री की आन्तरिक प्रतिभा,अध्यवसाय, एवं सृजन क्षमता को रेखांकित करती हैं। 'नारियल का पेड़' लघु कविता एक बिम्बात्मक चित्र द्रष्टव्य है- खाने को फल, तंदुरुस्ती के लिए पानी/ दूध-मलाई की, कल्पवृक्ष ने लिखी कहानी/ सुख समृद्धि में, श्री हरि विष्णु, लक्ष्मी का कृपानिधानी/ त्रिदेव के त्रिनयन, श्रीफल की इष्ट अर्पण बानी है/ पवित्र कलश में विराजित/ मंगल कार्यों में श्रीगणेश/ हवन की पूर्णाहुति, नवरात्र, कन्या पूजन में विशेष/ जन्म पूजन में नारियल, कफन में चढ़ता यह विनेश है /नारियल का तेल केश निखार/त्वचा की मसाज है/ ताड़- शराब, कठोर खोल,चारकोल/ इसका अंग-अंग कीमती/ लोगों का इलाज है। इसकी भाषा अत्यंत सरल एवं शैली सरस व सारगर्भित है। यह कृति हर दृष्टि से उपादेय है और अर्चना कोचर की सकारात्मक सोच एवं आशावादी दृष्टिकोण की परिचायक है। उत्कृष्ट कृति के लिए कवयित्री को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

भाविप ने सेक्टर 16-17 के पार्क में किया पौधरोपण

हिसार। भारत विकास परिषद चन्द्रशेखर आजाद शाखा, पार्क समिति एवं योगा टीम की ओर से सेक्टर 16-17 के पार्क में पौधरोपण किया गया। यह पौधारोपण कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष रोहतास कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान आंवला, जामुन, अमरूद, कढ़ी पत्ता, नीम, पीपल आदि विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रोहतास कुमार ने कहा कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति के अपने दायित्व को निभा सकते हैं।

अणुव्रत समिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

हिसार। अणुव्रत समिति हिसार का शपथग्रहण समारोह तेरापंथ भवन कटला रामलीला में महातपस्वी युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री रणजीत व मुनिश्री कौशल कुमार के सानिध्य में आयोजित किया गया। समिति अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल व अन्य पदाधिकारियों ने मुनिश्री रणजीत व मुनिश्री कौशलकुमार के सानिध्य में पद व गोपनीयता की शपथ ली और अणुव्रत के नियमों पर चलते हुए अणुव्रत को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अमरनाथ यात्रियों के लिए भंडारे का आयोजन

हिसार। शिव सेवक मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमरनाथ बाबा का 14वां विशाल भंडारा पंथा चौक, श्रीनगर जम्मू कश्मीर में शुरु कर दिया गया है। तीन जुलाई से चल रहे भंडारे पर रोजाना दो से ढाई हजार श्रद्धालु भोजन ग्रहण कर रहे हैं। याद रहे 25 जून को पंजाबी भवन, सेक्टर 14 से खाद्य सामग्री से भरे तीन ट्रकों सहित चार वाहनों को अमरनाथ के लिए रवाना किया गया था। हिसार से अमरनाथ भंडारे में सेवा करने के लिए गए लगभग दो दर्जन सेवादार ड्यूटी दे रहे हैं।

ठेका हटवाने की मांग पर चल रहा धरना जारी

हिसार। महाराजा अग्रसेन मार्किट में शराब ठेका को शिफ्ट करवाने के लिए दुकानदारों द्वारा दिए जा रहा धरना लगातार जारी है। रविवार को धरना को जिंदल हाउस के नजदीकी वार्ड पार्षद संजय डालमिया, वार्ड नंबर 12 से पार्षद जगमोहन मित्तल, एमसी व डीसी मार्किट के प्रधान राजू तंवर, अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के सदस्य दिनेश बिश्नोई, अग्रवाल वैश्य महासम्मेलन के महामंत्री नरेंद्र गुप्ता व अन्य सहयोगियों का ने समर्थन दिया।

घर में चोरी कर आभूषण चुराने वाले दो गिरफ्तार

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने गांव लांघड़ी स्थित एक मकान से आभूषण चोरी के मामले में दो आरोपियों — गांव लांधड़ी निवासी कुणाल व मनोज उर्फ टोपी को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक भूप सिंह ने बताया कि इस संबंध में तीन जुलाई कोा गांव लांघड़ी निवासी दलीप सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि जब वह अपने परिवार सहित खेत गया हुआ था, तब किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके घर से सोने की अंगूठी, कान की बालियां, तबीजी आदि आभूषण चोरी कर लिए।

सेवा दिवस के रूप में मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

डॉ. श्यामा प्रसाद ने देश की एकता और अखण्डता के लिए काम किया : जोड़ा

■ इस मौके पर भाजपाईयों ने की गोसेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती की गौसेवा करते भाजपा नेता।

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती भाजपा द्वारा जिले के सभी 708 बूथों पर सेवा दिवस के रूप में मनाई गई। इसी कड़ी में बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कार्यकर्ताओं के साथ बीघड़ रोड पर स्थित गऊशाला एवं नंदीशाला में गौवंशों को हरे चारे व गुड़ का भोग लगाया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण अभियान भी चलाया। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान भारतीय राष्ट्रवादी, विद्वान और राजनेता थे। उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में हुआ था। वह एक प्रमुख हिंदू राष्ट्रवादी नेता थे और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। डॉ मुखर्जी ने अपनी शिक्षा कोलकाता विश्वविद्यालय से प्राप्त की और बाद में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की। वह एक उत्कृष्ट वक्ता और लेखक थे और उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं। डॉ. मुखर्जी हिंदू राष्ट्रवादी संगठन हिंदू महासभा में शामिल हुए और 1950 में उद्योग मंत्री के रूप में कार्य किया, लेकिन बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया और भारतीय जनसंघ की स्थापना की। डॉ मुखर्जी ने कश्मीर के मुद्दे पर सरकार की नीतियों का विरोध किया और जम्मू-कश्मीर में भारतीय संविधान को पूरी तरह से लागू करने की मांग की। वह एक मजबूत राष्ट्रवादी थे और उन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए काम किया। भारतीय जनसंघ ने उनके आदर्शों को अपनाया और भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक महान राष्ट्रवादी और नेता के रूप में याद किया जाता है। आज सेवा दिवस के रूप में जिलेभर के कार्यकर्ता बूथ स्तर पर गौसेवा, जीव सेवा, पौधा रोपण, जरूरतमंदों की मदद, मरीजों को फल वितरित करने जैसे कार्य करके डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भावांजलि अर्पित की।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर विकास शर्मा, शम्मी ढींगड़ा, कंवल चौधरी, बनवारी लाल गहलोत, विक्की मराठी, नवीश सचदेवा, दलीप सचदेवा, सुरेन्द्र बिश्नोई, पूनम सिंगला, नीलम मेहता, रामकुमार मेहरा, विजय जांगड़ा, मनजीत शर्मा, भीम लाम्बा, भारत भूषण गर्ग, मुल्खराज चावला, रमन कुमार, विनोद मेहता, शुभम मेहता, सोनू वर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

चोपटा। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारियों द्वारा आशा हाई स्कूल में रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत जमाल के सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश डूडी ने शिरकत की। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी के जिलाध्यक्ष धर्मपाल गरवा उपस्थित रहे। स्कूल के चेयरमैन राधेश्याम गरवा ने कहा कि हमें समाज के नौजवानों को देश की महान विभूतियों से परिचित करवाना चाहिए। हम प्रत्यक्ष रूप से देश, धर्म व समाज की सेवा नहीं कर सकते परंतु रक्तदान के द्वारा हम मरती हुई जिंदगी को बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सबसे पुण्य का काम है क्योंकि रक्त कारखानो में नहीं बनता यह इच्छा से दिया हुआ दान है जो जिंदगी बचाने का काम करता है। कोई भी व्यक्ति इस दुनिया में अमर नहीं रह सकता परंतु दान किया हुआ रक्त मरने के बाद भी जिंदा रह जाता है। इसलिए अगर हमें अपने आप को अमर करना है तो अवश्य ही हमें रक्तदान करना चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होंने बताया कि जिस प्रकार से श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने जीवन में संघर्ष का रास्ता अपनाया उन्होंने अपनी संपूर्ण जीवन है समाज को अर्पित कर दिया उनसे प्रेरणा लेते हुए हमें भी समाजसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर रवि शास्त्री, सतवीर शास्त्री, सुशील बरासरी, देवीलाल खीचड़, अनिल वर्मा, रवीना, सतपाल सेठजी, दुलीचंद, उदार सिंह गाट लुदेसर, मोहर सिंह ढुकड़ा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर सामान्य अस्पताल सिरसा की टीम पूरी तत्परता के साथ उपस्थित रही।

टोहाना। कार्यक्रम में मुख्य ज्योति को प्रज्जवलित करते हुए पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली।

श्री बालाजी श्याम मिलन महोत्सव भजनों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

■ भाजपा नेता देवेंद्र बबली ने शिरकत ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की

श्री बालाजी सेवा समिति की ओर से श्री बालाजी श्याम मिलन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र बबली ने शिरकत की। बबली ने मुख्य ज्योति को प्रज्जवलित किया वहीं पुजारी किशोर कुमार ने विधि विधान से पूजा करवाई। इस दौरान भजन संध्या में हिसार के गायक अभिनव ऐरन, टोहाना से अश्विनी बंसल और जयपुर से भजन गायिका रजनी राजस्थानी ने बाबा श्याम के सुंदर सुंदर भजन गाकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पूर्व मंत्री बबली ने कहा कि यह महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक जागरूकता का माध्यम भी बना है। बबली ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि आगामी सावन माह में 'एक पेड़ माँ के नाम' अवश्य लगाएं, जिससे हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक पहल कर सकें। साथ ही, बेटियों की शिक्षा पर विशेष बल देते हुए सभी से अनुरोध किया कि बेटियों को पढ़ाएं, उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं, क्योंकि शिक्षित बेटी ही सशक्त समाज की आधारशिला है। बबली ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता, जागरूकता और सेवा का भाव जागृत होता है।

टोहाना में 'लव-कुश' गेट का उद्घाटन

टोहाना। शहर के वार्ड 7 में नगर परिषद द्वारा बनाए 'लव-कुश' गेट का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद चेयरमैन नरेश बंसल ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर समिति सदस्यों द्वारा बंसल का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान नरेश बंसल ने कहा समिति द्वारा लंबे समय से उक्त स्वागत द्वार के निर्माण की मांग की गई थी जिसके बाद नगर परिषद ने इसका टेंडर लगाकर उसको बना दिया है जिससे समाज के लोगों में खुशी है। बंसल ने बताया कि वार्ड 7 और वार्ड 8 में भगवान वाल्मीकि के नाम से धर्मशाला है, जिसमें कार्य हेतु जल्द 30 लाख रुपए प्रति धर्मशाला के विकास कार्य का टेंडर लगाया जाएगा।

धरती माता व पर्यावरण संरक्षण के लिए ज्यादा से पौधे लगाएं : स्वामी विज्ञानानंद

■ स्थानीय सिरसा क्लब में विलक्षण योग और ध्यान साधना शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। स्वामी विज्ञानानंद क्लब सदस्यों के साथ पौधारोपण करते हुए।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से स्थानीय सिरसा क्लब में विलक्षण योग और ध्यान साधना शिविर आयोजित किया गया जिसमें विशेष रूप से संस्थान की ओर से स्वामी विज्ञानानंद ने बताया कि सृष्टि का सिरमौर कहे जाने वाले मानव द्वारा आधुनिकतावाद और विकासवाद की अंधी दौड़ में प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, जिसमें वनस्पति जगत पतन के कगार पर है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण की वजह से वृक्षारोपण की आवश्यकता इन दिनों अधिक हो गई है। वृक्षारोपण से तात्पर्य वृक्षों के विकास के लिए पौधों को लगाना और हरियाली को फैलाना है। वृक्षारोपण महत्वपूर्ण क्यों है इसके पीछे कई कारण हैं। मुख्य कारणों में से एक कारण यह है कि वृक्ष जीवन-प्रदान करने वाली ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिसके बिना मानव जाति का अस्तित्व असंभव है। विकासवाद की अंधाधुंध दौड़ में आज धरती का तापमान बहुत अधिक बढ़ रहा है। इससे लड़ने का एकमात्र तरीका अधिक से अधिक पेड़ लगाना है। भूमिगत जल संसाधनों के विकास पर भी बल देते हुए स्वामी ने उपस्थित जनसमूह को भारत की पवित्र नदियों की स्वच्छता व जल संरक्षण की प्रेरणा देते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की प्रेरणा दी क्योंकि हरीतिमा होगी तो जल संसाधनों का विकास भी चरम होगा। शुद्ध वायु और भूमिगत जल संसाधनों के विकास पर बल देते हुए स्वामी जी ने उपस्थित जनसमूह को अधिक से अधिक पौधारोपण करने की प्रेरणा दी। इस दौरान स्वामी विज्ञानानंद ने उपस्थित क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर क्लब परिसर में पौधे भी लगाए। स्वामी जी ने उपस्थित योग साधकों को योग व प्राणायाम का अभ्यास करवा इसके स्वास्थ्य संबंधित लाभों से अवगत भी करवाया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रकृति प्रेमियों ने जल संसाधनों के संरक्षण और संवर्धन, पौधरोपण करने, संपूर्ण वनस्पति जगत के विकास करने व स्वच्छ भारत का निर्माण करने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

लोगों के मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय गति व ऑक्सीजन स्तर की जांच की

■ रेलवे रोड पर योग आश्रम के सामने लगाया नि:शुल्क जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

टोहाना। शिविर में जांच करते डॉ शिव सचदेवा।

अग्रवाल सभा द्वारा रेलवे रोड पर योग आश्रम के सामने निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाकर 111 लोगों के मधुमेह, उच्च रक्तचाप स्तर, हृदय गति व ऑक्सीजन स्तर की जांच की गई। शिविर में डॉ. शिव सचदेवा ने टीम के साथ पहुंच शिविर में सेवाएं दी। डॉ. सचदेवा ने कहा कि उच्च रक्त शर्करा का स्तर आपके हृदय, रक्त वाहिकाओं, गुर्दे, पैर और आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने बताया कि तनाव का प्रबंधन करते हुए स्वस्थ जीवन शैली अपनाते हुए नियमित रूप से अपने हृदय की जांच करवाएं। उन्होंने कहा कि शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढऩा अर्थात प्रोटीन की मात्रा को बढऩे से रोकने के लिए प्रोटीन युक्त पदार्थों का सेवन कम कर देना चाहिए और यूरिक एसिड से बचाव के लिए सेब के सिरके और नींबू का सेवन करना चाहिए। अग्रवाल सभा सचिव सुरेश सिंगला ने बताया कि आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए पिछले काफी समय से अग्रवाल सभा द्वारा निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर लगाया जा रहा है। इस अवसर पर अग्रवाल सभा प्रधान सुरेन्द्र गर्ग काला, कार्यकारी प्रधान जीवन बंसल, सचिव सुरेश सिंगला, ओंकार गर्ग, धर्मपाल गर्ग, रमेश गर्ग कृष्ण गोयल आदि मौजूद रहे।

युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी के नेतृत्व में लगाया पौधों का लंगर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

शहर की बुढ़लाडा रोड पर रविवार को युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी का वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। इस मौके बड़ी संख्या में धार्मिक, समाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने जहां शिरकत की। इस मौके पर सोसायटी रतिया द्वारा अध्यक्ष डॉ. पीयूष अरोड़ा के नेतृत्व में पौधो का लंगर लगाया गया व फूलदार, फलदार व छायादार पौधे वितरित किए। इस दौरान शहर व गांवों से आए लोगों ने पौधारोपण मुहीम को सराहा। सोसाइटी कोआर्डिनेटर हैप्पी सिंह सेठी ने बताया कि आज धार्मिक समारोह पर जहां खाने पीने के लंगर लगाए गए थे, वहीं क्षेत्र में चल रहे पौधारोपण अभियान के अंतर्गत पौधों का लंगर लगाया गया। उन्होंने बताया कि बढ़ रही ग्लोबल वार्मिंग के चलते जहां मनुष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, वहीं प्रकृति का भी नुकसान है, इसलिए प्रकृति एवं प्रदूषण से बचाव हेतू पौधारोपण समय को ध्यान रखते हुए जरूरी सेवा है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर महावीर ग्रोवर, मोहन चिलाना, आदर्श ग्रोवर, रणजीत सिंह बिट्टू, डॉ. बलविंद्र सिंह, सुरेश सेठी, ओरूष ग्रोवर, हरप्रीत सिंह, गुरप्रीत सचदेवा, गुलशन मोंगा, मुनीश कक्कड़, अशोक ग्रोवर, हैप्पी अरोड़ा, नीरज कक्कड़, इशान अरोड़ा, नरेश ग्रोवर, अमन कुमार, नवदीप सिंह, करण चिलाना, सौरव मोंगा, मनोज अरोड़ा, सोनाल ग्रोवर सहित सेवादार मौजूद रहे।

रतिया। पौधे बांटते हुए युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी के सदस्य।

विश्व ज़ूनोसिस दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. नरेश जिंदल के मार्गदर्शन में कॉलेज सेंट्रल लैब एवं पशु जनस्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग की ओर से नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वाइन्स के सहयोग से जूनोटिक रोग सेंटिनल सर्विलांस परियोजना, एनसीडीसी, नई दिल्ली के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रो. (डॉ.) नरेश जिंदल ने कहा कि जूनोटिक रोगों की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए मानव, पशु और पर्यावरण स्वास्थ्य को एकीकृत रूप में देखना आवश्यक है। 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण ही वर्तमान समय की आवश्यकता है, जिससे न केवल रोगों की जल्दी पहचान संभव है, बल्कि उनका प्रभावी नियंत्रण भी किया जा सकता है।

लायंस क्लब हिसार डायमंड ने बच्चों के साथ लगाए 401 पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। लायंस क्लब हिसार डायमंड के सदस्यों के साथ पौधारोपण करते मेयर प्रवीण पोपली।

लायंस क्लब हिसार डायमंड ने सुबह नगर की हरी भरी वसुंधरा संस्था एवं अन्य के सहयोग से ब्लयू बर्ड के सामने ग्रीन बेल्ट में 401 पौधे लगाए। क्लब के अध्यक्ष लायन मुनीष सरदाना ने बताया कि लायंस क्लब के जिला कैबिनेट कोषाध्यक्ष पवन सरदाना, रीजन चेयरमैन प्रवीन नारंग एवं हरी भरी वसुंधरा की अध्यक्ष सुनीता रहेजा के मार्गदर्शन में सभी सदस्यों ने मिलकर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली ने भी पौधारोपण करके तथा लायंस क्लब हिसार डायमंड की टीम की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। पौधारोपण के अवसर पर क्लब के सचिव अनिल आहुजा, कोषाध्यक्ष सुरेश कथूरिया के अलावा प्रोजेक्ट चेयरमैन आशीष मेहता, धर्मेंद्र मलिक, भूषण कथूरिया, सुनील अग्रवाल, भूषण झांब, सुरेंद्र मेहता, अर्जुन चोपड़ा आदि भी उपस्थित रहे।

सावधानी साइबर अपराध को लेकर फतेहाबाद पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

टेलीग्राम पर फर्जी नौकरी का झांसा, एक क्लिक आपकी कमाई और पहचान कर सकता है बर्बाद : सिद्धांत जैन

■ ठगी का शिकार होने पर नजदीकी थाना या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर करें संपर्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिले में साइबर ठगी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन को सतर्क करते हुए रविवार को एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। एसपी ने बताया कि हाल ही में टेलीग्राम, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी नौकरियों के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं, जो विशेष रूप से बेरोजगार युवाओं को आकर्षक वेतन और घर बैठे काम का लालच देकर ठगी का शिकार बना रहे हैं। इन साइबर अपराधियों की कार्यप्रणाली बेहद संगठित होती है। वे पहले टेलीग्राम ग्रुप या सीधे मैसेज के माध्यम से लोगों से संपर्क करते हैं और वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन टास्क, रेटिंग जॉब्स जैसे आकर्षक नामों से झांसा देते हैं। शुरुआत में उन्हें छोटे टास्क देकर मामूली भुगतान किया जाता है ताकि पीड़ित को भरोसा हो जाए। इसके बाद बड़े टास्क के नाम पर रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्योरिटी डिपॉजिट या ऐप इन्वेस्टमेंट जैसी राशि मांगी जाती है। जैसे ही पीड़ित पैसे भेजता है, उसे ग्रुप से निकाल दिया जाता है या ब्लॉक कर दिया जाता है। पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान लिंक या संदिग्ध टेलीग्राम/सोशल मीडिया चैनल से प्राप्त जॉब ऑफर पर विश्वास न करें और किसी भी प्रकार की राशि भेजने से पहले पूर्ण रूप से जांच-पड़ताल अवश्य करें। उन्होंने कहा कि सरकारी या निजी नौकरियों की वैकेंसी की पुष्टि केवल संबंधित संस्थाओं की आधिकारिक वेबसाइट या विश्वसनीय पोर्टल्स से ही करें। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होता है, तो उसे तत्काल अपने नजदीकी थाना या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करना चाहिए।

एसपी ने की लोगों से सतर्क रहने की अपील

उन्होंने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि फर्जी नौकरी के झांसे में आना न केवल आपकी मेहनत की कमाई को नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि आपकी डिजिटल पहचान को भी गंभीर खतरे में डाल सकता है। अतः सजग रहें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें।

खबर संक्षेप

अवैध पिस्तौल सहित युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। जिले में अपराध और अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ, फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एवीटी प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि सहायक उप-निरीक्षक सुखबिंद्र सिंह को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में अशोक नगर, फतेहाबाद क्षेत्र में मौजूद है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एवीटी टीम ने तत्परता दिखाते हुए अशोक नगर क्षेत्र में नाकाबंदी की। इस दौरान एक संदिग्ध युवक हिमांशु को रोककर नियमों के अनुरूप तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध 315 बोर पिस्तौल बरामद की गई।

स्कूल में बच्चों को सिखाए शतरंज के नियम

चोपटा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथुसरी चोपटा में शतरंज प्रतियोगिता आनंदपूर्ण गतिविधि के रूप में बनाया गया। कुलदीप दलाल प्रवक्ता इतिहास, जगबीर सिंह पीटीआई, परवेज हसन प्रवक्ता रसायन शास्त्र, प्रदीप कुमार प्रवक्ता संस्कृत, मनोज राघव प्रवक्ता वाणिज्य, सीताराम प्रवक्ता जीवविज्ञान, राजेश कुमार गणित अध्यापक, विरेंद्र कुमार प्रवक्ता समाजशास्त्र, मोनिका प्रशिक्षु अध्यापिका ने बच्चों को प्रेरित किया। दलबीर शर्मा प्रवक्ता हिंदी ने बच्चों को शतरंज नियमावली से अवगत करवाया। उन्होंने बच्चों को बताया कि शतरंज एक दो-खिलाड़ियों का दिमागी खेल है, जो 64 वर्गों वाले बोर्ड पर खेला जाता है। हर खिलाड़ी के पास 16 मोहरे होते हैं, जिनमें एक राजा, एक वजीर, दो हाथी, दो घोड़े, दो ऊंट और आठ प्यादे शामिल होते हैं। खेल का उद्देश्य अपने प्रतिद्वंद्वी के राजा को शह मात देकर हराना होता है।

शिकायतों का तुरंत निपटारा करें : डीसी

सिरसा। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिला स्तर पर आयोजित समाधान शिविर में प्रॉपर्टी आईडी संबंधी शिकायतों और उपमंडल स्तर पर आने वाली निशानदेही व इंतकाल संबंधित शिकायतों का निपटान तुरंत किया जाएगा। इसलिए कोई भी नागरिक अपनी ये समस्याएं समाधान शिविर में रख सकता है, शिकायत का तुरंत निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार और वीरवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में सुबह 10 से 12 बजे आमजन अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर भी सोमवार और वीरवार को 10 से 12 बजे समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि समाधान शिविर में शिकायतों का तुरंत निपटारा करें।

जिले में अपराधों को खत्म करने की नई पहल शुरू : एसपी

अपराध पर नकेल कसेगा पुलिस का 'आईज एंड ईयरस प्रोग्राम'

■ प्रत्येक थाने में जागरूक युवा और समाजसेवी बनेंगे 15 पुलिस मित्र, प्रतिमाह आयोजित होंगी दो बैठकें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। पुलिस मित्र कार्यक्रम को लेकर आयोजित बैठक में मौजूद पुलिस अधिकारी।

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशन में जिले के प्रत्येक थाना स्तर पर 'आईज एंड ईयरस प्रोग्राम' पुलिस मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को बैठकें आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम, अपराधियों की पहचान एवं उन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। प्रत्येक थाना क्षेत्र में 15 पुलिस मित्र नामित किए किए जाएंगे, और थाना स्तर पर प्रतिमाह दो बैठकें तथा डीएसपी स्तर पर प्रतिमाह एक बैठक सभी पुलिस मित्रों के साथ आयोजित की जाएगी। एसपी सिद्धांत जैन ने बताया कि प्रत्येक थाने में स्थानीय नागरिकों, जागरूक युवाओं एवं समाजसेवियों को 'पुलिस मित्र' के रूप में नामित किया गया है। ये मित्र अपने-अपने क्षेत्र में पुलिस की आंख और कान बनकर संदिग्ध गतिविधियों, असामाजिक तत्वों एवं संभावित अपराधों की जानकारी समय रहते पुलिस को उपलब्ध कराएंगे। इस पहल के माध्यम से पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सकेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस मित्र समाज में नशे के बढ़ते प्रचलन पर निगरानी रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नशे के कारोबार से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी समय पर पुलिस को देकर वे नशा मुक्त समाज की स्थापना में सहयोग करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रखने हेतु जागरूक किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पुलिस मित्रों के साथ नियमित संवाद स्थापित करें तथा उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान करें। इस अभिनव प्रयास के माध्यम से पुलिस प्रशासन और समाज के बीच परस्पर सहयोग की भावना को और अधिक बल मिलेगा तथा एक सुरक्षित, अपराध मुक्त और नशामुक्त समाज की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सकेगा।

बीजेपी जिला कार्यकारिणी की लिस्ट जल्द होगी जारी, मंजूरी के लिए हाईकमान को भेजी : जोड़ा

■ जिलाध्यक्ष बोले : नई कार्यकारिणी में नए-पुरानों पदाधिकारियों का दिखेगा तालमेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भाजपा फतेहाबाद जिला की कार्यकारिणी इसी सप्ताह घोषित हो सकती है। चार महीने पहले जिलाध्यक्ष बने प्रवीण जोड़ा ने कार्यकारिणी की पूरी सूची तैयार करके इसे मंजूरी के लिए पार्टी हाईकमान को भेजा दिया है। हाईकमान से मंजूरी मिलते ही कार्यकारिणी घोषित कर दी जाएगी। इस सूची में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं सांसद सुभाष बराला, पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम के समर्थकों को भी बराबर शामिल किया गया है। बता दें कि 17 मार्च को भाजपा ने अपने जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की थी। प्रवीण जोड़ा को फतेहाबाद बीजेपी का नया जिलाध्यक्ष घोषित किया गया था। इसके बाद मंडल अध्यक्ष बनाए गए, जिन्होंने मंडल कार्यकारिणी घोषित की। अब जिला कार्यकारिणी बची हुई थी, जिसको इसी सप्ताह घोषित करने का ऐलान किया गया है। सूची को लेकर जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा का कहना है कि जिला कार्यकारिणी की सूची बनाकर हाईकमान को भेज दी गई है। नई कार्यकारिणी में पार्टी के नए व पुराने पदाधिकारियों का तालमेल दिखेगा। कुछ पुराने पदाधिकारियों को भी जिला कार्यकारिणी में रखा गया है। कुछ पदों पर नए कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा। पदों की संख्या पहले जितनी ही रखी गई है, जिनमें दो महामंत्री, पांच उपाध्यक्ष व पांच सचिव शामिल हैं। उनका कहना है कि पदाधिकारियों की संख्या सीमित होती है।

हरिद्वार में होगा अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा का 'सावन पर्व' : सर्राफ

फतेहाबाद। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा द्वारा 11 एवं 12 जुलाई को पवित्र नगरी हरिद्वार में 'सावन पर्व' का दो दिवसीय विशाल आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए समाज की महिला प्रदेश अध्यक्ष सुशीला सर्राफ ने बताया कि सावन मास की पवित्रता एवं हरियाली से ओतप्रोत इस आयोजन की शुरुआत 11 जुलाई को प्रातः 11 बजे होगी। आगमन एवं आपसी मेलजोल के साथ इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कार्यकासमिति की बैठक, समाज के लिए विशेष कार्य करने वाले पदाधिकारियों का सम्मान समारोह, हर की पावन पैडी पर गंगा स्नान एवं महाआरती तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अध्यक्षता में होने वाले इस आयोजन में ऋषिकेश के विधायक मुख्य अतिथि होंगे।

बच्चे के किडनैप का प्रयास करने व धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

रतिया। बच्चे को किडनैप करने का प्रयास करने के मामले में कार्रवाई करते हुए रतिया पुलिस ने एक आरोपी लवदीप सिंह उर्फ लवप्रीत उर्फ बब्बू पुत्र अमरीक सिंह निवासी अजीत नगर को काबू किया है। थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक राजबीर ने बताया कि अमरीक सिंह पुत्र हजारा सिंह निवासी अजीत नगर द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें बताया गया कि 11 अक्टूबर 2024 को दोपहर करीब 2:40 बजे उनके दोनों पोते स्कूल वैन से उतरकर जैसे ही घर में दाखिल हुए, उसी समय मुंह ढके एक व्यक्ति ने घर में जबरन घुसकर छोटे पोते अर्शदीप को जान से मारने की धमकी देते हुए किडनैप करने का प्रयास किया। जब दादा अमरीक सिंह और पोता अरमान बीच-बचाव करने लगे, तो आरोपी ने उन्हें थप्पड़-मुक्के मारकर धक्का दिया, जिससे वे नीचे गिर गए। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य बाहर आए तो आरोपी मौके से भाग गया।

योगाभ्यास के दूसरे दिन 100 मरीजों की जांच

■ लायंस क्लब सिरसा लोक्षित ने लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। शिविर में मरीजों की एनीमिया व सामान्य रोगों व जांच करते हुए चिकित्सक।

लायंस क्लब सिरसा लोक्षित की ओर से स्थनीय एफ ब्लॉक के मेन पार्क में जारी तीन दिवसीय योग भगाए रोग कार्यक्रम के दूसरे दिन योगाचार्य वीरेंद्र नागपाल ने योग साधकों को स्वस्थ रहने के लिए कपालभाति, अनुलोग विलोम, ताड़ासन, वज्रासन, मंडूकासन आदि अनेक योगभ्यास करवाए। उन्होंने प्राणायम करते समय सावधानियां बरतने की सलाह दी। इस मौके पर पुनीत बांसल ने उपस्थित साधकों को लायंस क्लबों द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लायंस क्लब लोक्षित ने जनपद 321ए-3 द्वारा अपनाए गए हरियाली संकल्प, स्वास्थ्य लख्य, स्वस्थ बच्चे, जीते जी रक्तदान, जाते जाते नेत्रदान व अन्नपूर्णा लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक ही प्रोजेक्ट में अनेक प्रोजेक्ट्स लगाकर दूसरी क्लबों के लिए उदाहरण पेश किया है। क्लब के सचिव भारत भूषण ऐलावादी ने बताया कि क्लब द्वारा बीते दिन पौधारोपण के अलावा मरीजों की बीपी व शुगर की जांच का कैंप लगाया गया था। योगाभ्यास के दूसरे दिन पार्क में लगभग 100 मरीजों की एनीमिया व सामान्य रोगों व जांच की गई जिसमें सामान्य जांच में डॉ. अनु व एनीमिया जांच में डॉ. राजेश गोदारा ने मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर लायन अशोक धवन, लॉयन मदन नढा, लायन अरविंद साहनी, लायन केवल कंबोज, लायन प्रहलाद राय गुर्जर के अलावा धीरज अरोड़ा, लक्ष्मण गुर्जर, टीएल मक्कड़, कृष्ण मुंजाल व अन्य मौजूद रहे।

न्याय के लिए भटक रहे विपिन ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

टोहाना। शहर के मॉडल टाउन निवासी विपिन कुमार ने महिलाओं को सेक्स रैकेट में फंसाकर नशीले पदार्थों की बिक्री कराने के आरोप लगाते हुए सिरसा से लोकसभा सांसद कुमारी शैलजा को ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नाम लिखा गया है, ताकि उक्त मुद्दे को मानसून सत्र के दौरान उठाया जा सके। विपिन कुमार पिछले चार साल से इस मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन को कई सबूत दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। विपिन ने सांसद को बताया सोशल मीडिया पर हथियार के साथ वीडियो लगाने के मामले में 31 मार्च 2022 को टोहाना के शहर थाने में मॉडल टाऊन निवासी संजय बंसल के खिलाफ शहर थाना टोहाना में केस दर्ज किया गया था। आरोपी संजय बंसल ने 2023 में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की। विपिन का आरोप है कि बंसल ने अपना नाम, पिता का नाम, पता और धर्म गलत दर्ज कराया। उन्होंने फरीदाबाद के 25 वर्षीय एक अन्य संजय के दस्तावेज का इस्तेमाल किया। जब विपिन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, तब यह मामला सामने आया। कोर्ट ने आरोपी को दोषी पाते हुए 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। विपिन का कहना है कि आरोपी की स्थानीय पुलिस से मिलीभगत है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज करने की मांग की है। विपिन ने बताया कि महिलाओं को सेक्स रैकेट में फंसाकर उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है।

मांगों को लेकर कर्मचारियों ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

सिरसा। पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की बैठक में भाग लेते कर्मचारी।

शिव मंदिर धर्मशाला नाथूसरी चोपटा में हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की बैठक जिला प्रधान जगदीश दड़बा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य उपाध्यक्ष धर्मपाल दरियापुर व राज्य संगठन सचिव प्रेम शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार में कर्मचारियों की रोजी-रोटी पर तलवार चला रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की मांगे मानी जाए। बैठक में राय सिंह बांदर, महाबीर,भीम सैन, कुलवंत शर्मा, इंदर, कुंदन लाल, मोहनलाल, संदीप, राधेश्याम, मनजीत, राजवीर, राजेंद्र, भीमराज, रामकुमार, महेंद्र सिंह सहित कई कर्मचारियों ने भाग लिया।

बैडमिंटन में छाए संतनगर के खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

सिरसा। प्रतियागिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

लेट्स फ्लाई बैडमिंटन अकादमी गंगानगर की ओर से 2 से 4 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट में गांव संतनगर के गुरदेव इंडोर स्टेडियम के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। बैडमिंटन कोच हरप्रीत सिंह व गुरबचन सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि इस प्रतियोगिता में गांव संतनगर स्थित गुरदेव इंडोर स्टेडियम की ओर से अलग-अलग आयु वर्ग में प्रतिभागियों ने शिरकत की। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों अंडर-17 लडक़े सिंगल में गुरमनराय प्रथम, गुरशबद सिंह तृतीय, अंडर-17 लडक़ों के डबल में गुरमन राय और गुरशबद सिंह ने प्रथम, अंडर-19 लडक़ों के डबल में गुरमन राय और गुरशबद सिंह द्वितीय, अंडर-19 लडक़े सिंगल में गुरमनराय तृतीय स्थान पर रहते हुए शानदार प्रदर्शन कर अभिभावकों व गांव का नाम रोशन किया। ट्रस्ट के प्रधान हरपिंद्र सिंह कूका ने बताया कि गुरदेव इंडोर स्टेडियम में श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 6 कोर्ट बनाए गए हैं, जहां लडक़े-लड़कियों को अलग-अलग शिफ्ट में बैडमिंटन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यही नहीं लड़कियों के लिए निःशुल्क बस सुविधा भी शुरू की हुई है, जो महिला प्रतिभागियों को घर से लाने व प्रशिक्षण के बाद उन्हें घर भी वापस छोडक़र आती है। प्रतिभागियों ने अपनी सफलता का श्रेय दोनों प्रशिक्षकों व श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट को दिया।

विकास में पिछड़ रहे प्रदेश के गांव : विष्णु दत्त

■ किसान सभा ढाबी खुर्द की बैठक, लखमी चंद बने गांव की कमेटी के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

भट्टूकलां। ढाबी खुर्द में आयोजित बैठक में मौजूद किसान सभा के सदस्य।

अखिल भारतीय किसान सभा, गांव ढाबी खुर्द की जनरल बाडी मीटिंग रविवार को किसान रामस्वरूप सिद्धू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य वक्ता के तौर पर किसान सभा के जिला प्रधान विष्णु दत्त ने हिस्सा लिया। बैठक में पिछले तीन साल की गतिविधियों की समीक्षा की गई और भविष्य की गतिविधियों और गांव की सांझी समस्याओं को चिन्हित करते हुए 14 सदस्यो की कमेटी का गठन किया गया। इसमें लखमी चन्द सिद्धू को प्रधान, सतपाल सिंह बिश्नोई को सचिव, हरी सिंह सिद्धू को कोषाध्यक्ष, रमेश कुमार नायक को सह सचिव, राजेंद्र सिंह व सुरेंद्र सिंह शर्मा को उप प्रधान बनाया गया। इसके अलावा भरत सिंह, सुरेश कुमार, रत्न सिंह सिद्धू को कार्यकारिणी सदस्य, रामस्वरूप सिद्धू, गजे सिंह और प्रेम कुमार को सलाहाकार चुना गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान विष्णु दत्त ने कहा कि आज भाजपा विकास के नाम पर जो ढिंढोरा पीट रही है, उसमें बहुत से गांव ऐसे मिल जाएंगे जिसमें नाम मात्र की भी सुविधा भी सरकार मुहैया करवाने में फेल रही है। उसी कड़ी में गांव ढाबी खुर्द में किसानों की 8 मुख्य मांगों को चिन्हित किया है, जिसको मुख्यमंत्री तक पहुंचाने के लिए जल्द ही उपायुक्त को सीएम के नाम मांग पत्र सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव में बुढ़ापा पेंशन के लिए दूसरे गांव जाना पड़ता है।

गांव में सोसायटी या बैंक में पेंशन वितरण करने की व्यवस्था की जाए। गांव में डाकखाना तक नहीं है, डाक जांडवाला से आती है इसलिए गांव में डाकखाने की व्यवस्था हो।

सरकारी कर्मचारियों की पेंशन आयकर मुक्त हो: गुरदीप सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

बैठक को संबोधित करती डॉ. हर्षिका खत्री।

हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज सिरसा की मासिक बैठक रविवार को जिला प्रधान राजेंद्र मोहन गुप्ता व राज्य उपप्रधान गुरदीप सैनी की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में जिला कार्यकारिणी के सभी सदस्य व हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज, सिरसा के सभी सदस्यों ने भाग लिया। प्रचार सचिव सुशील बागड़ी ने बताया कि इस बार मीटिंग का मुख्य एजेंडा अखिल भारतीय स्टेट्स पेंशनर फेडरेशन का हरियाणा में सम्मेलन किस जिले में करवाने पर विचार-विमर्श किया गया। सार्वजनिक शिक्षा व रोजगार को बचाने के लिए आगामी 9 जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज सिरसा ने अपना समर्थन देने की घोषणा की। मीटिंग में हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज की मांगों पर विचार किया गया। इस मौके पर डॉ. हर्षिका खत्री ने सीनियर सिटीजंस की स्वास्थ्य समस्याओं पर व्याख्यान दिया। पेंशनर समाज की ओर से डॉ. हर्षिका खत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति खंड शिक्षा अधिकारी सुनेश बिश्नोई, जगमिंद्र सिंह, श्रीराम वर्मा, केवल कृष्ण सोनी, राम किशन, बलवंत सिंह, रामेश्वर कुमार, रघुबीर सिंगला, फतेह सिंह विर्क, राजेंद्र शर्मा, मंगतराम, कुलवंत सिंह, इकबाल सिंह व अन्य मौजूद रहे।

लंबित मांगों को लेकर गरजे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

सिरसा। बैठक को संबोधित करते कर्मचारी नेता मदन लाल खोथ।

हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन और रिटायर कर्मचारी संघ के तत्वावधान में नहराना हैड पर कर्मचारियों की बैठक हुई। इस दौरान कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ रोष जाहिर किया। बैठक में आगामीं 9 जुलाई को प्रस्तवित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर विचार विमर्श किया गया। यूनियन प्रधान हरदत सहारण ने बताया कि प्रदेश सरकार पिछले लंबे समय से कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं कर रही, जिससे कर्मचारियों में रोष है। इसी को लेकर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की तरफ से जिला प्रधान मदन खोथ, सचिव रमेश सैनी हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की तरफ से जिला प्रधान रमेश कुमार, रिटायर्ड कर्मचारी संघ जिला प्रधान अशोक पटवारी और फतेहाबाद से बेगराज सहित कई पदाधिकारी ने बैठक में पहुंचे और हड़ताल को सफल बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया।कर्मचारी 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत संगठित होकर प्रदर्शन करेंगे।

महाराज सावन सिंह के जन्मोत्सव पर डेरा जगमालवाली में सत्संग

फकीर मालिक की रजा में राजी रहते हैं : संत बिरेन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कालांवाली

सिरसा। प्रवचन करते संत बिरेंद्र महाराज तथा उपस्थित संगत।

मस्ताना शाह बलोचिस्तानी आश्रम डेरा जगमालवाली के संत बिरेन्द्र सिंह ने रविवार को हुए सत्संग में कहा कि फकीर मालिक की रजा में राजी रहते हैं। ये दुनिया काल की है और यहां काल की हुकूमत चलती है। काल जीवों को भ्रमा देता है। सिर्फ संत काल के दुश्मन है। संत हमें अपने असली घर की याद दिलवाते हैं और काल नहीं चाहता कि कोई भी जीव उसके नियंत्रण से बाहर निकले। संतों के हुक्म से बाहर काल ही काल है। सत्संग में संत बिरेन्द्र सिंह ने फरमाया कि हम लोग घर बार भी छोड़ देते हैं। डेरे आकर रहने भी लग जाते हैं। सेवा और सिमरन भी करने लग जाते हैं। उसके बाद मन तरह तरह के चक्करों में डालना शुरू कर देता है। मन अलग-अलग पार्टियां बनानी शुरू कर देता है। ईष्या, निंदा और नफरत ये बिमारी अन्दर आनी शुरू हो जाती है। हम मालिक को तब याद करते हैं जब हम धार्मिक स्थानों पर जाते हैं। हमें मालिक को हर पल याद रखना चाहिए। उसका शुक्राना करते रहना चाहिए। लेकिन हम मालिक तो तब याद करते हैं, जब कोई दुःख आ जाता है। हम अपने स्वार्थ के लिए मालिक को याद करते हैं। हम लोग मालिक के साथ व्यापार करते है कि पहले आप मेरा ये काम करो फिर मैं प्रसाद बाटूंगा, लेकिन मालिक को बिना किसी इच्छा के याद करना चाहिए, क्योंकि जो हमारी किस्मत में लिखा है, हमें उतना ही मिलना है। हमने अनगिनत इच्छाएं पाल रखी है। हमें अपेक्षारहित जीवन जीना है। जितना मिला है, उसी में सब्र करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम धन के पीछे भाग रहें हैं जो साथ नहीं जाएगा।